ज्ञान का भण्डार

अप्रैल 2016 के विज्ञान प्रगति के अंक में 'ब्रह्माण्ड के रहस्य खोलेंगी गुरुत्वाकर्षक तरंगें' लेख बहुत महत्वपूर्ण लगा। हिन्दी में ऐसा लेख पढ़कर सचमुच ज्ञानवर्धक हुआ। विज्ञान की यह खोज सचमुच मानव के इतिहास में युगान्तकारी सिद्ध होगी। विज्ञान का यह ज्ञान ही मानव को आत्मघात से बचा सकता है। लेखक और सम्पादक मंडल ऐसे ज्ञानवर्धक लेख के लिए बधाई के पात्र हैं।

डा. त्रिलोकीनाथ सिंह

538/1492, त्रिवेणीनगर-II, लखनऊ 226020 (उ.प्र.)

उपयोगी पत्रिका

विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे बदलाव की जानकारी तरो-ताजा रखने के शौकीन लोगों के लिए विज्ञान प्रगति सर्वाधिक उपयोगी पत्रिका है। इस पत्रिका में विज्ञान के क्षेत्र की प्राचीन एवं नवीन दोनों जानकारियों का भरपूर समावेश पढ़ने को मिलता है जो दुर्लभ एवं ज्ञानवर्द्धक होता है। अप्रैल 2016 में विज्ञान प्रगति के अंक में रोचक जानकारी स्तम्भ में अंकित सिंह का लेख 'कैमरा : विज्ञान की एक अनूठी देन' में मुझे कई नई एवं विशेष जानकारियां मिली जो अबतक न थी। वास्तव में आजकल हर व्यक्ति को पहचान पत्र की जरूरत है जिसमें फोटो की अनिवार्यता होती है। यह कैमरे का ही कमाल है जो हमारी तस्वीर प्रिन्ट होकर मिल जाती है। एक समय था जब रंगीन चित्र दुर्लभ हुआ करते थे ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटो से ही काम चलाना पड़ता था, स्टूडियो पर फोटो खिंचवाने के कई दिनों बाद फोटो मिलते थे। आजकल तो कुछ ही मिनटों में रंगीन आकर्षक फोटो बहुत ही रियायती मूल्यों पर बन जाते हैं। आशा है इस तकनीक में आगे और भी सुधारों के लिए निरन्तर खोज जारी रहेगी जिसका भरपूर लाभ आने वाली पीढ़ी को मिलेगा।

श्री कृष्ण कुमार उपाध्याय, कार्यालय - जनपद बार एसोसिएशन बस्ती जनपद-बस्ती 272001 (उ.प्र.)

[मो. : 9839987104; 7275256233]

प्रकाशमयी पत्रिका

अप्रैल 2016 विज्ञान प्रगति के अंक में सरजू नारायण एवं दशरथ सिंह जी का लेख 'स्वस्थ मृदा एवं मानव स्वास्थ्य' कृषि प्रधान देश भारत के लिए सर्वाधिक उपयोगी रहा, पृथ्वी के पोषक तत्व को संरक्षित एवं विकसित करने की दिशा में जो प्रयास हो रहा है, वह बहुत उपयोगी है। परम्परागत खेती से कृषि प्रधान देश भारत के किसानों को जो उपज मिलती है उसका बाजार मूल्य उनकी लागत से भी कम होता है, इसलिए जरूरी है कि समय के साथ-साथ कृषि के तौर तरीके बदले जाएं, कम भूमि में अधिक पैदावार पाने का एक ही उपाय है कि कृषि भूमि की उत्पादन क्षमता बढ़ाई जाए। गांव में कृषि के माध्यम से लोगों को लाभकारी कार्य मिलेगा तो निश्चित ही शहरों की ओर बढ़ रहा पलायन रुकेगा। व्यावसायिक खेती भी इसका विकल्प हो सकती है जरूरी है कि व्यावसायिक खेती का प्रचार-प्रसार व प्रोत्साहन बढ़ाया जाए।

श्री राघवेन्द्र शुक्ल

ग्राम-बक्सर, पो.-देवापार, जिला-बस्ती 272302 (उ.प्र.)

[मो. : 9670219191]

ज्ञानवर्द्धक आकर्षक पत्रिका

विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। और मुझे इसका प्रत्येक अंक रोचक एवं ज्ञानवर्द्धक लगता है। मैं विज्ञान प्रगति को दिव्य ज्ञान की ज्योति मानता हूँ। क्योंकि इस पत्रिका के माध्यम से हमें जो भी जानकारियाँ मिलती हैं, वे हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों के साथ-साथ प्रत्येक वर्ग एवं विषय के व्यक्तियों के सभी अंक में प्रकाशित लेख 'सवाल जब जब, जवाब तब तब! बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक लगा और इसमें प्रकाशित विज्ञान क्विज़ हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण रहता है। आशा है कि आप भविष्य में भी इसी प्रकार के लेख प्रकाशित करते रहेंगे और हमारा ज्ञान बढ़ाते रहेंगे। इस पत्रिका के लिए हम आपके अत्यंत आभारी हैं।

श्री अनमोल मौर्य

सुपुत्र श्री चन्द्र कुमार मौर्य, ग्राम-रीवां, पोस्ट-शिवदयालगंज, जिला-गोण्डा 271319 (उ.प्र.)

मेरा सन्देश : विज्ञान के नाम

मैं बीए तृतीय वर्ष की छात्रा हूँ और एनसीसी की कैडेट भी हूँ। मुझे कभी विज्ञान में कोई खास रुचि नहीं रही क्योंकि कला मेरा पसंदीदा क्षेत्र रहा है। लेकिन जब मैंने अपने मित्र को प्रत्येक महीने की विज्ञान प्रगति को पढ़ते देखा तो मेरे मन में जिज्ञासा हुई कि मैं भी इसको पढ़कर देखूँ। मैंने उसको पढ़ा समझा और जाना कि विज्ञान ने हमें कितना कुछ दिया है और दे रहा है। मेरा इस पत्रिका के माध्यम से पूरे देशवासियों को सन्देश है कि वे विज्ञान प्रगति के माध्यम से विज्ञान से जुड़े रहें। इसी के साथ मैं 'विज्ञान प्रगति' के संपादक मण्डल को धन्यवाद देती हूँ।

सुश्री बवीता सिंह गुर्जर, सुपुत्री श्री छोटेलाल जी काला कुआँ चूंगी, बनिया का बाग, अल्वर 301001 (राजस्थान)